आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ

आनंद प्रशांत द्विवेदी,
कक्षा - 3 अ
सेंट गेब्रियल्स अकादमी

आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ
हरी-भरी यह धरा बनाएँ ।
साफ हवा-पानी को रखकर,
जीवन में खुशहाली लाएँ ।
आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ ।

वृक्ष हमारे जीवन दाता,
सदियों से है इनसे नाता ।
एक-एक सब वृक्ष लगाकर,
सुंदर यह संसार बनाएँ ।
आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ ।

पक्षी इन पर करें बसेरा,
चहके-महके सांझ सवेरा ।
इन सबका घर-द्वार बसाकर,
इनको अपना मित्र बनाएँ ।
आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ ।

कितना यह मानव को देते,
बदले में कुछ कभी न लेते ।
बुरी नजर से इन्हें बचाकर,
धरती का श्रृंगार सजाएँ ।
आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ ।

होता है इनमें भी जीवन,
दुखता है इनका भी तन-मन ।
इनके भी कुछ सुख-दुख समझें,
इन पर अपना प्यार लुटाएँ ।
आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ ।